



???? ???????????

23 Apr 1982

08:10 PM

Allahabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121732205

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 23/04/1982
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 20:10:00 घंटे
इष्ट _____: 36:30:59 घटी
स्थान _____: Allahabad
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:27:00 उत्तर
रेखांश _____: 81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 20:07:20 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:36 घंटे
साम्पातिक काल _____: 10:12:36 घंटे
सूर्योदय _____: 05:33:36 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:29:00 घंटे
दिनमान _____: 12:55:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 09:30:25 मेष
लग्न के अंश _____: 02:18:26 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: प्रीति
करण _____: नाग
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

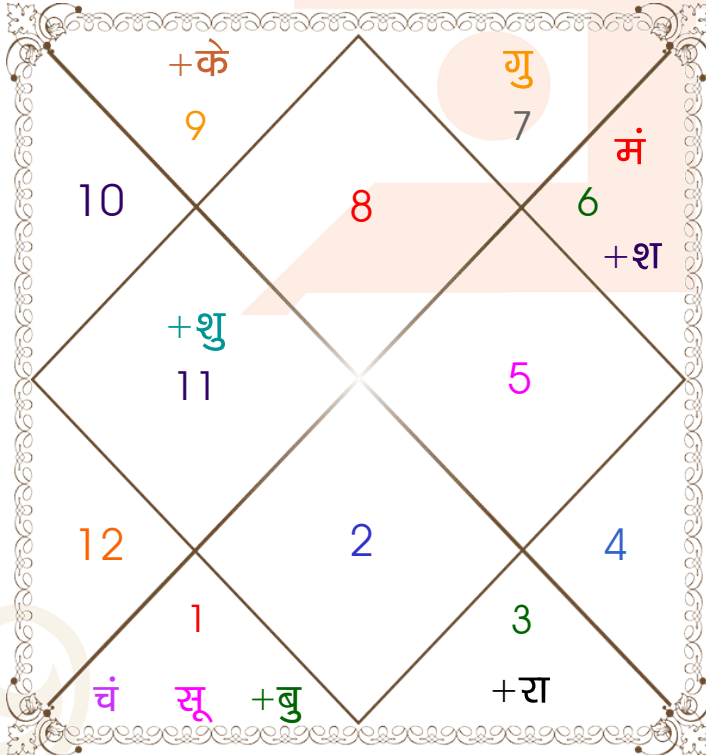
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:18:26	311:59:15	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मेष	09:30:25	00:58:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मेष	06:12:23	14:34:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	व		कन्या	08:55:46	00:14:13	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			मेष	22:30:11	01:57:10	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		तुला	12:09:41	00:07:39	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	24:23:35	01:05:08	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	24:12:45	00:04:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:37:37	00:10:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:37:37	00:10:58	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	10:12:13	00:02:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	03:16:21	00:00:47	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	01:43:35	00:01:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			सिंह	07:30:08	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

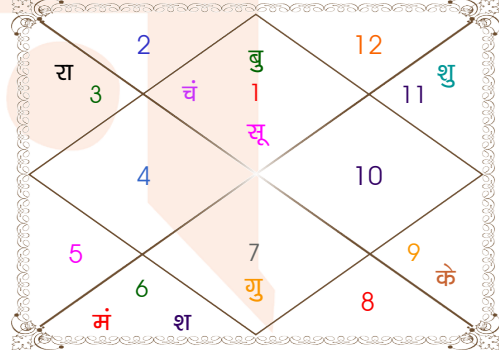
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:18

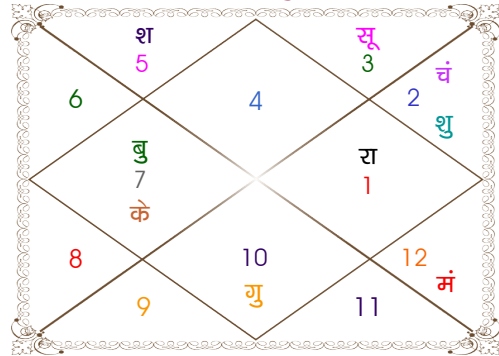
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 8 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
23/04/1982	19/01/1986	19/01/2006	19/01/2012	19/01/2022
19/01/1986	19/01/2006	19/01/2012	19/01/2022	19/01/2029
00/00/0000	शुक्र 20/05/1989	सूर्य 09/05/2006	चंद्र 19/11/2012	मंगल 17/06/2022
00/00/0000	सूर्य 21/05/1990	चंद्र 07/11/2006	मंगल 20/06/2013	राहु 06/07/2023
00/00/0000	चंद्र 19/01/1992	मंगल 15/03/2007	राहु 20/12/2014	गुरु 11/06/2024
00/00/0000	मंगल 21/03/1993	राहु 07/02/2008	गुरु 20/04/2016	शनि 20/07/2025
23/04/1982	राहु 20/03/1996	गुरु 25/11/2008	शनि 19/11/2017	बुध 18/07/2026
राहु 07/01/1983	गुरु 19/11/1998	शनि 07/11/2009	बुध 21/04/2019	केतु 14/12/2026
गुरु 14/12/1983	शनि 19/01/2002	बुध 13/09/2010	केतु 20/11/2019	शुक्र 13/02/2028
शनि 22/01/1985	बुध 19/11/2004	केतु 19/01/2011	शुक्र 20/07/2021	सूर्य 20/06/2028
बुध 19/01/1986	केतु 19/01/2006	शुक्र 19/01/2012	सूर्य 19/01/2022	चंद्र 19/01/2029

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
19/01/2029	19/01/2047	19/01/2063	19/01/2082	19/01/2099
19/01/2047	19/01/2063	19/01/2082	19/01/2099	00/00/0000
राहु 02/10/2031	गुरु 08/03/2049	शनि 22/01/2066	बुध 17/06/2084	केतु 17/06/2099
गुरु 25/02/2034	शनि 20/09/2051	बुध 01/10/2068	केतु 14/06/2085	शुक्र 17/08/2100
शनि 31/12/2036	बुध 26/12/2053	केतु 10/11/2069	शुक्र 14/04/2088	सूर्य 23/12/2100
बुध 21/07/2039	केतु 02/12/2054	शुक्र 10/01/2073	सूर्य 18/02/2089	चंद्र 24/07/2101
केतु 07/08/2040	शुक्र 02/08/2057	सूर्य 23/12/2073	चंद्र 21/07/2090	मंगल 21/12/2101
शुक्र 08/08/2043	सूर्य 21/05/2058	चंद्र 24/07/2075	मंगल 18/07/2091	राहु 24/04/2102
सूर्य 02/07/2044	चंद्र 20/09/2059	मंगल 01/09/2076	राहु 03/02/2094	00/00/0000
चंद्र 01/01/2046	मंगल 26/08/2060	राहु 09/07/2079	गुरु 11/05/2096	00/00/0000
मंगल 19/01/2047	राहु 19/01/2063	गुरु 19/01/2082	शनि 19/01/2099	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 8 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।